



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-Section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 72] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, जनवरी 28, 1993/माघ 8, 1914

No. 72] NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 28, 1993/MAGHA 8, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

पर्यावरण और बन मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 28 जनवरी, 1993

का, आ. 80(अ) --अधिसूचना एवं निम्ननिवित्त प्राप्त  
जिसे केन्द्रीय सरकार पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1996 (1986  
का 29) की धारा 3 का उल्लंघन (2) के खड़ (v) के नाथ पठिन  
उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए जारी करने का  
प्रस्ताव बरती है, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के  
उपनियम (3) के अधीन यथा अपेक्षित ऐसे लागी की जानकारी के लिए  
प्रकाशित किया जाता है जिसके उससे प्रभावित होने की सभावना है।

और इसके द्वारा यह सूचना दी जाती है कि उस प्रारूप अधिसूचना  
पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से साठ दिन वर्ती  
समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऐसा कोई व्यक्ति जो इस अधिसूचना में प्रार्थित प्रस्तावित  
नियमों के विषय कोई आक्षेप करने में हितभूत है, वह इस  
अधिसूचना के गज्जपत्र में प्रकाशन की तारीख से साठ दिन के भीतर संचि-

पर्यावरण और बन मंत्रालय, पर्यावरण भवन सी जी ओ कम्पनीप  
सोनी गोड, नई दिल्ली को लिखित रूप में ऐसा कर सकेगा।

प्रारूप अधिसूचना

आत्मधिक मुद्रा कटाक्ष और कर्तिप्रबोधन विकारात्मक त्रिमाकलापों  
के कारण जल और वायु प्रदूषण से पर्यावरण की अवगति के कारण  
पर्यावरण प्रशिक्षण पर्यावरणीय प्रभाव वाली हुश्वा है, जिससे न केवल  
प्राकृतिक स्रोतों जैसे बनो, कच्छ, बनस्पतियों, गाँव भूमि, नदियों,  
झीलों, जैसी पुल भारकियों और बनस्पति सुरक्षा के विनाश को मुक्त  
पैदा हुश्वा है, जो बैग के बड़े भागों से तेजी से महसूस जू रहे हैं,  
बल्कि उससे जीव मात्र पशु और मानव दोनों के स्वास्थ्य आर  
उत्त जग्नि पर भी प्रभाव पड़ रहा है,

और यह प्राकृतिक है कि प्राकृतिक स्रोतों पर जीव समुदाय से  
दबाव के साथ हा वायु, जल और भूमा के प्रदूषण पर जो हतना गहरा  
है कि हमारे प्राकृतिक, जैविक और आनुवंशिक सम्पत्ति को गम्भीर खतरा  
हो गया है तिरबग रुके पर्यावरण का सरकार किया जाए और उनी  
क्वालिटी का सुधारा जाए।

और कर्तिप्रबोधन विकारात्मक अधिसूचना प्रतिष्ठिति पद्धति से परिभा-  
षित दूरियों से परे व्यायसगत प्रक्रियाओं में प्रतिष्ठिति पद्धति की वहन

क्षमता के भीतर चलाई जानी आविष्कार, जो प्रबन्धया प्रतिवेदन के अधीन आएगी, जिसमें कि यह मुनिलिङ्ग किया जा सके कि विकासात्मक कार्य-कालाप पर्यावरण और उसके विकास के माध्य नालंदेश रथते हुए किए जाते हैं।

और पूर्वोक्त उद्देश्यों को, परियोजनाओं की प्रारंभिक अवस्था से ही प्रतीकूल प्रभाव के निवारण, निकासन या घमन के लिए प्रत्येक परियोजना के पर्यावरण संबंधी प्रभाव निधारण और आवश्यक पर्यावरण प्रबन्ध योजना के आधार पर इसी क्षेत्र में प्रतिस्थित किए जाने के लिए प्रस्तावित किसी परियोजना के गहर निधारण के द्वारा ही प्राप्त किया जा सकता है।

और प्राप्त किए गए धारेष्वां और सुप्राप्तां पर केन्द्रीय सरकार द्वारा सम्पूर्ण रूप से विचार कर लिया गया है;

अतः अब केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के साथ पठिन पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की द्वारा 3 को उत्तरा (1) और उत्तराशा (2) के बाएँ (5) द्वारा प्रवेश शक्तियों ना प्रयाग करने हुए निरेण्ठि करती है कि अनुसूची 1 या अनुसूची 2 में सूचीबद्ध किसी विचासन उद्योग या नई परियोजना का विनाशण या यात्रिनियोकरण भागन के लिसी भी मार्ग में हाथ से नहीं लिया जाएगा जब तक कि उसे इस अधिसूचना में इसके पश्चात् विनिर्दिष्ट प्रक्रिया के अनुभार, यथास्थिति, केन्द्रीय सरकार या संबंधित राज्य सरकार द्वारा पर्यावरण संबंधी अनापत्ति न दी दी गई हो।

2. अनुसूची 2 में की गई नया गिर्वाच अथवा नुराहित योंगों की सीमा के 5 (पाँच) किलोमीटर के भीतर अथवा परियोजनिक दूरिय से संवेदनशील ध्रेव के रूप में निर्दिष्ट ध्रेव, अथवा औद्योगिक नीति विवरण में अथवा मानव आवासों या वन्यजीव आवासी-स्थलों की सुरक्षा के लिए भारत सरकार के ग्रन्त नीति विवरणों में निर्धारित गुरुत्वान् दूरी के भीतर बनाए जाने के लिए प्रस्तावित किसी परियोजना पर केन्द्र सरकार द्वारा जारी मार्गनिदेशों के अनुमार राज्य सरकार द्वारा विचार किया जाएगा।

3. अनुसूची 1 और 2 में अननिष्ट किसी बात के होने हुए भी, केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण और वन मत्तालय किसी राज्य सरकार द्वारा किसी परियोजना को दो गई पर्यावरणीय अनापत्ति का पनथिकोकम कर सकेगा, यदि प्रभावित पक्षकारों द्वारा पर्यावरणीय अनापत्ति के विश्व प्रथमकृत्या मामला बनाया गया है। ऐसे सभी मामलों से वह मामला पर्यावरण और वन मत्तालय द्वारा पुनर्नियोकरण की समिति का निर्दिष्ट किया जाएगा, जिसमें एक प्रतिनिधि इस मंत्रालय से, एक प्रतिनिधि संबंधित राज्य सरकार से और अधिकारी लोग विशेषज्ञ परियोजना के संबंधित ध्रेवों से होंगे। पुनर्वियोजना समिति का अध्यक्ष और मदस्य पर्यावरण और वन मत्तालय द्वारा नियुक्त किए जाएंगे। समिति प्रभाव निधारण अभियान के लिए ग्रन्त दूरी मध्य अनुसूची के भीतर घपना कार्य पूर्ण करेगी।

4. परियोजना की पर्यावरण संबंधी अनापत्ति ग्राप्त करने के लिए आवेदन और प्रक्रिया :

I (क) कोई अविन जो भाग के लिए भाग में किसी परियोजना को अवश्य अनुसूची 1 और अनुसूची 2 में सूचीबद्ध किए जियासन उदान या परियोजना के विनाशण या यात्रिनियोकरण का हाथ में लेना आहार है, सचिव पर्यावरण और वन मत्तालय, नई दिल्ली को जहां पर्यावरण संबंधी अनापत्ति फेन्ड्रीय सरकार से अपेक्षित है, या संबंधित राज्य सरकार के पर्यावरण भिन्ना को जहां राज्य सरकार से पर्यावरण संबंधी अनापत्ति अपेक्षित है, एक आवेदन भेजेगा। यह आवेदन उन प्रविसूचना से तंत्रज्ञ प्रोफार्स (उपावधि) में किया जाएगा और उसके माध्य परियोजना को व्यौरिवार रिपोर्ट होगी जिसमें अल्प बातों के साथ-साथ पर्यावरण

संबंधी प्रभाव निधारण रिपोर्ट और केन्द्रीय सरकार के पर्यावरण और वन मत्तालय द्वारा समयन्वय पर आरी किए गए मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुमार तैयार की गई पर्यावरण प्रबन्ध योजना होगी।

(ख) अपर्यावरण अव्यवहार अनुप्रयुक्ति और कारंबाई योजना के प्रस्तुत किए जाने के कारण राज्य सरकार या केन्द्रीय सरकार द्वारा अन्वेषकृत किए गए मामलों का पुनर्नियोकरण किया जा सकेगा जब भी उन्हें पूर्ण अधिकारी और कारंबाई योजना के तात्त्व प्रस्तुत किया जाता है। उपरी बार अनुप्रयुक्ति का प्रस्तुत किए जाना स्वयं ही प्रमाण निधारण प्रभिकरण के लिए मामले को संक्षेपतः अस्त्रकार बारते के लिए पर्यावरण होगा।

## II. नियानियम स्थल विनिर्दिष्ट परियोजनाओं की विवाद में

- (क) खनन ;
- (ख) पिट हैड उपर्याय-शक्ति केन्द्र ;
- (ग) हाईड्रो-जल विद्युत योक्ति परियोजना ;
- (घ) बहुउद्देशीय नदी आटी परियोजना ; और
- (इ) पत्तन तथा बदरगाह।

परियोजना प्राधिकारी कोई जांच अथवा संवेदन शुल्क करते समय इस बात के आवाग पर पर्यावरण और वन मत्तालय में केन्द्रीय सरकार प्रधारा संबंधित राज्य सरकार को परियोजना स्थल के विवाद में अनुसूची 1 अथवा अनुसूची 2 में आती है। केन्द्रीय गवर्नर प्रधारा राज्य में संबंधित पर्यावरण को प्रतिक्रिया अनुसूचना के आरे में अधिकारम 3 माह की अन्विति के मंत्र अपना निर्णय संसूचित कर देती।

उन स्थल संबंदों अनापत्ति गंजूर को गई अमना के लिए अनुदत्त की जाएगी और नियमान्वय प्रारम्भ करते के लिए पाँच कर्षणी की अवधि के लिए विद्यमान्वय होंगी।

III (क). आवेदन के माध्य प्रस्तुत को गई व्यौरिवार परियोजना रिपोर्ट का, यथास्थिति, केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के प्रभाव निधारण प्रभिकरण द्वारा, इस अधिसूचना को अनुसूची 3 में विनिर्दिष्ट संचरन करनी। विशेषज्ञ मनिति के परामर्श से गूढ़ापान और निर्वारण विवा जाएगा।

प्रभाव निधारण प्रभिकरण भंध का पर्यावरण और वन निवालन और संबंधित राज्य सरकार के मामले में पर्यावरण विमान और/या प्रदूषण नियंत्रण दोहरा होगा। ऊपर विणित विशेषज्ञ समिति का गठन संबंधित प्रभाव निधारण प्रभिकरण द्वारा किया जाएगा।

(ख) उन विशेषज्ञ समिति को परियोजना से संबंधित संक्रियाओं के प्रत्यन्म से पूर्ण, उनके दीनांत या उनके पश्चात् किसी समय, यथास्थिति, स्थान या कारखाना परियोजनों में प्रवेश करते और उनका निरीक्षण करते का पूर्ण अधिकार होगा।

(ग) प्रभाव निधारण प्रभिकरण दस्तावेजों और परियोजना प्राथिकारियों द्वारा नक्कली की निधारण के दिग गए अंगादों जो स्पसों अथवा वात्रालयों में की गई यात्राओं के दौरान मंगाहत धूकर्डा द्वारा अनुप्रयुक्त होंगी और प्रभावित जिकारियों तैयार करेगा। व्यौरिवार साध्यता रिपोर्ट पर्यावरण अवधि योजना गिकारियों और वे जन्म, जिनके अधिकारान रक्तों द्वारा पर्यावरणीय अवधि दी गई है, संबंधी पक्षकारों के शान्तरण पर उपलब्ध कराई जाएंगी। जन्म के विचार इस प्रयोजना के जिए छवदगित लंके मुन्हालयों में, ऐसी सुनवाई की कम से कम दो अमावस्यालयों में एक गमन की सूचना देने के पश्चात् मध्ये जा सकेंगे। जन्म की अवधिकरण मुद्रालयों में उत्पादन परियोजना रिपोर्ट और पर्यावरणीय प्रबन्ध योजनाओं तक पहुँच के लिए आवस्या की जाएगी। निधारण अवेक्षण दस्तावेजों और परियोजना प्राथिकारियों से अंगादों का

प्राप्ति पर तोन भास की अवधि के भीतर पूरा किया जाएगा और दिन-श्वय उसके पश्चात् अधिकारी तंत्र स्थित के भीतर सूचित कर दिया जाएगा। परियोजना के स्थापित रिपोर्ट जाने से संबंधित ऐसी प्रारम्भिक कार्य या प्रभाव कार्य पर्यावरण य स्थल अनुपत्ति प्राप्त किए जाने तक हाथ में नहीं लिया जा सकेगा।

**IV--संबंधित प्रामाण निर्धारिण अभिकरण वा मिकारिणों के प्रभावी कायांच्यन और उन शर्तों को, प्रभावी रूप से जिनके अद्यत पर्यावरण संदर्भों अनापत्ति दा गई है, भानिटर करने के लिए संबंधित परियोजना प्राप्तिहारी संबंधित अभिकरण को छापाहा। रिपोर्ट प्रस्तुत करेगे। प्रभाव निर्धारण अभिकरण घन्तुपालन रिपोर्ट की सार्वजनिक रूप से उपलब्ध घरेवाएंगा।**

5. वास्तविक आंकड़ों को छिपाना या मिथ्या आमक आंकड़ों/रिपोर्टों, निष्पत्ति या मिकारिणों को प्रस्तुत कि। जाने से परियोजना अस्वीकृत हो जाएगा। प्रयोगीदान भी, यदि मिथ्या आंकड़ों के आधार पर यहां दिया गया हो तो प्रतिनिधित्व हो जाएगा। आमक और गलत जानकारी के अन्तर्गत निम्नलिखित आंकड़े;

- मिथ्या जानकारी
- मिथ्या आंकड़े
- बाईं गई रिपोर्टें
- वास्तविक आंकड़ों का छिपाना
- मिथ्या मिकारिणों या विनियन्य।

सं. ज०-12018 / 4 / 89 आई ए ]

आर राजगणि, मन्त्रिव (ई.एड एफ )

### अनुसूची-I

(पैरा 1 और 4 देखिए)

केन्द्रीय सरकार से पर्यावरणीय अनापत्ति की अपेक्षा करने वाली परियोजनाओं की सूची

1. न्यूक्लीयर पावर और सबधित परियोजनाएं जैसे भारी जल संयंत्र, नाभिकीय इवन परिसर, रेग्युल अर्डर इत्यादि।
2. यहु-उद्योगीय नदी धारी परियोजनाएं।
3. पत्तन, बदरगाह और विमानपत्तन।
4. भूमिगत रेलवे गहित रेलवे लाइन (गैर रेल भूमि के अधिग्रहण सहित)।
5. पेट्रोलियम उत्पादों का भण्डारण जिसमें अपरिस्फुट तथा उत्पादन पाइप लाइन और पेट्रोलियम रिफाइनरीज।
6. एकत्र सुपरफास्ट के अलावा रासायनिक उर्जरक (नाइट्रोजिन और फारस्टिक)।
7. नाशीजीव (तकनीकी)
8. पेट्रोकेमिकल कार्पोरेशन (ओपेरेटिक और एरोमेटिक धोनो), और पेट्रोकेमिकल इन्डस्ट्रीज जैसे भी एम टी कंटरोलेक्ट्रम लैब इत्यादि तथा बेनिक प्लास्टिक का उत्पादन जैसे एल एल बी पी ई, एच पी ई ई, पी पी, पी बी सी, इत्यादि।
9. डिटोनेटिंग फूज, सेप्टीप्यूज, गन पाउडर नाइट्रोसेन्ट्रलोस, इनेक्ट्रक डिटोनेटर्स सहित औद्योगिक विस्फोटक।
10. औषध और कार्मस्युटिकल्स (जल्दी और अधिक)।
11. तेल और गैस की खोज तथा उत्पादन, परिवहन और भंडारण।
12. मिन्थेटिक रवर।

13. एस्ट्रेस्टोर और एस्ट्रेस्टास उत्पाद।

14. हाइड्रोमाइनिक एसिङ और उनकी अवृत्ति

15. प्राथमिक नोमसिक्षात्री उद्योग (जैसे लौह और इस्पात, एल्यू-मीनिदम, तांबा, ज सा, जीसा और फेराएतायस का उत्पादन।

16. वसो, इन्हों, वायुशानों, ज पो, मीटर कारों, ट्रैक्टरों जैसा मड़क पर चलने वाले रामी वाहनों में प्रमुख रखड़ के न्यूमेटिक टायर्स और ट्यूब्स।

17. क्लोर एल्काली उद्योग।

18. पेट्रूस के विनिर्माण में काम आने वाली जहरी कच्ची सामग्री और रेसिन के विनिर्माण सहित समेकित पेट कास्परोक्स।

19. मानव दारा निर्मित रेणा/किनामेट यार्न।

20. सीसा और सीसा एन्टीमनी एनाय के आक्साइडो के विनिर्माण के साथ समेकित स्टोरेज बैटरियो।

21. क्लोरिनिटिड हाइड्रोकार्बन और परिसंकटमय पदार्थों के सिए अस्मी-करण संवेदन।

22. समृद्ध की उच्च जल रेशा के 200 मीटर तथा 500 मीटर के बीच पर्यटन और प्रम्य परियोजनाएं।

23. स्थान से 1000 मीटर से अधिक ऊंचाई पर स्थित वाणिज्यिक यानिकी धौर बन आधारित उद्योग।

24. ऊपर अनुसूची-II से विनिर्दिष्ट प्रारम्भिक मापदंड के साथ सभी परियोजनाएं।

### अनुसूची-II

(पैरा 2, 3 और 4 देखिए)

राज्य राज्यकार से पर्यावरणीय अनापत्ति की अपेक्षा करने वाली परियोजनाओं की सूची

क्र.सं.	परियोजना/उद्योग का नाम	प्रारम्भिक मापदंड (यूनि कोई हो) जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा मूल्यांकन किया जाता है।
1	2	3
1.	प्रिकेटिंग	सभी
2.	फोल वाशरेंज	"
3.	सिरमिक ग्रोप्पट्रूप	"
4.	कैलिंगम कार्बोइड	"
5.	कार्बन बैंक	"
6.	फोल तार कॉमिकल्स	"
7.	इलेक्ट्रोप्रेटिंग और गलवेनाइजिंग	"
8.	ग्लान एंड ग्लासवेचर्स	"
9.	ग्रेकेशट इलेक्ट्रोड्स	"
10.	इजिनिरिंग (ट्यूबिंग, कास्टिंग, रोलिंग "	
	मिल्स)	
11.	रिफेक्टरीज	"

1	2	3	1	2	3
12. पाइप्स (भारतीय संस्कृत और सोमलेस)	सभी		37. बूदरी खाले और खाल	5,000 रुपये प्रति दिन	
13. रिप्रोसेसिंग माफ लूपरिकेटिंग ड्रायल्स	"		38. भव्य तिथिगणितालाएं	150 कि.मी./दिन तक	
14. स्टोरेज बैटरीज (नाम लैश प्रोसेसिंग)	"		39. घानों	2500 टी पीडी तक	
15. एस्कलीज (सोबा एंग और कॉलिंगम कार्बनिट)	"		40. कपड़ा	500 मी. प्रतिदिन तक	
16. मोटर साइकिलों, स्कूटरों, मोटरों, साइ- किलो और साइकिल रिक्षों में प्रयुक्त होने वाले रेड के न्यूमेटिक टायर और ट्यूब्स	"		41. चुम्ब, कागज और अखबारों कागज	33,000 टी. पी. ए. तक	
17. सभी प्रकार के दायरों की रिट्रिविंग (कोल्ड प्रोसेसिंग के प्रतिरक्ष)	"		42. डाइच	5 टो प. हो तक	
18. पेंट्स, पिग्मेट्स और बार्निशज	"		43. बाई इन्टर्मीडिएट्स	5 टो प. हो तक	
19. आधा प्रसंस्करण (मास और समुद्री जीवों का प्रसंस्करण)	"		44. थर्मोसिट रेसिन	5,000 टी. पी.ए. तक	
20. दुर्घ उत्पाद (स्क्रिन्ड दूध, कन्वेस्ट दूध, दुर्घ पावडर और बेबी फूड)	"		45. एपिथू	500 टी. पी.डी. तक	
21. रेडर कैमिकल्स एंड आक्जीलरीज	"		46. पशु पादवनस्पति वसा और सेल तथा प्राणिक या सम्पूर्ण हाइड्रोजिनेटिड हेस्पे	25 टी. पी.ए. तक	
22. फोटोग्राफिक कैमिकल एंड आक्जीलरीज			47. फार्मिंग (मला-ग्लग)	2 करोड़ रु. के परिमाण तक	
23. सेवर कैमिकल एंड आक्जीलरीज	"		48. सनुवें की उच्च जस्तेया के 500 मी. तथा 1000 मी. के बावध पर्वत और धन्य परियोगनाएं	1 करोड़ रु. के परिमाण तक	
24. टेक्स्टाइल कैमिकल एंड आक्जीलरोज			49. नहर सिंगार्ड तथा जलाशय बनाना	200 हे. तक	
25. साबुन और डिट्जर्जन घरेलू (साबुन उद्योगों के अलावा)	"		50. अनन्त	5 हे. तक	
26. एकल सुपर काल्फेट	"		51. टाई यार्ग (हिकान्य तथा बन सूमि में)	5 किमी. ल. तक	
27. लकड़ी आधारित उद्योग जैसे आरा भिल, ज्वार्ड्रुड उद्योग आदि	"		52. राष्ट्रीय राजमार्ग	5 किमी. ल. तक	
28. परिवहन वाहनों (कारों, स्कूटरों, गोटर साइकिलों, ट्रकों तथा इन्य सारी सामान उठाने वाले वाहनों) के उपकरण	"		53. राष्ट्रीय राजमार्ग  (क) बन भूमि को शामिल करके (ख) बनभूमि के बिना	9 किमी. ल. 1फ सभा	
29. दूर-परिवर्तनभूम पदार्थों के सिलान-भस्त्रकरण संयंत्र	"		54. ओष्ठोगिक एस्टेट्स	100 यूनिट तक या 20 हे. क्षेत्र जो भी अधिक हो।	
30. जल विद्युत शक्ति  (क) नई परियोजनाएं	15 मे.वा. तक		55. ओष्ठोगिक नगर क्षेत्र	5000 आवासीय इकाइयों या कुम 50 हे. क्षेत्र जो भी अधिक हो।	
(ख) मरी पावर हाउस विद्युत नदी, झरनों पर स्थापित किए जाएंगे या विद्युत वांधों के माध्य जो पहले से ही एन्ड्रेडिड पेन स्टाइप हैं			56. पत्तन और अन्दरगाह	एकल छोटे पत्तन तथा अन्दर- गाह	
31. पुर्णत दैस आवारित विद्युत संयंत्र	100 मे. वा. मका				
32. कोक ओइन/कॉलोन, ग्लास इनान्ट	25 मे. वा. तक				
	50000 टी.पी.ए				
33. जाप विद्युत संयंत्र	25 मे. वा. तक				
34. सोमेट	200 टो.पी.ए तक				
35. इकेविक शार्क कर्नेल (लघु इस्पात संयंत्र)	15,000 टी.पी.ए तक				
36. स्टॉल आवरन  (क) कोवला आधारित	30,000 टी.पी.ए तक				
(ख) गेस आधारित	60,000 टो.पी.ए तक				

टिप्पणी:- 1. ओष्ठोगिक एस्टेटों में स्थित ग्लग-ग्लग इकाई के लिए  
पृथक हप से पर्यावरणीय मंजूरी नेना अपेक्षित नहीं है  
बास्ते कि ओष्ठोगिक एस्टेट पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यकन्त  
के बावध स्थापित हुई हों तथा वैयक्तिक इकाइयों स्थिरत  
पर्यावरण प्रबन्ध योजना के अनुसार स्थापित की जा रही  
हो।

2. ओष्ठोगिक नगर क्षेत्रों के लिए पृथक पर्यावरणीय मंजूरी  
प्रोक्षित नहीं है, बास्ते कि वह क्षेत्र की वहन क्षमता अध्ययन  
के अनुसार हो।

3. फैटिरा फावर लांटों पर विकास नियमित पर आधारित  
अनुसूचि-1 और 2 के अनुसार कारंबाई का जनी आहिए।

## अनुसूची-3

[पैरा-५ का सब पेरा (iii) (क) वेणिए]

पर्यावरणीय प्रभाव मूल्यांकन के लिए विशेषज्ञ समितियों

## का संरक्षण

1. केन्द्र और राज्य स्तर पर विकास परियोजनाओं का मूल्यांकन और निर्धारण विशेष समितियों द्वारा किया जाएगा, जिनमें निम्न प्रकार से गठित प्रत्येक क्षेत्र के विशेषज्ञ होंगे—

1. पार्टि-प्रणाली, प्रबन्ध
2. बायूजन प्रदूषण नियंत्रण
3. जल संसाधन प्रबन्ध
4. बनान्तिज्ञान/प्राणिज्ञान सरक्षण और प्रबन्ध
5. भूमि प्रयोग आयोजन
6. सामाजिक विकास/उन्वर्ती
7. परियोजना मूल्यांकन
8. पारिस्थितिकी
9. पर्यावरणीय स्वास्थ्य
10. विषय क्षेत्र विशेषज्ञ
11. नैर-संरक्षणीय नंगटनों के प्रतिनिधि/पर्यावरणीय मुद्दों से संबंधित सोग
2. अध्ययन, संवर्धित विकास क्षेत्र में उन्नुष्ट कौर अमृती पारिस्थितिकी-विज्ञानी अधिकारी गर्यावरणविद् अध्यक्ष तकनीकी व्यावसायिक होंगा।
3. केन्द्र/राज्य की प्रभाव मूल्यांकन एजेंसी का प्रतिनिधि सदस्य-सचिव के रूप में कार्य करेंगा।
4. प्रतिनिधियों के रूप में विशिष्ट रूप में नामित व्यक्तियों को छोड़कर अध्ययन और सदस्य वैयक्तिक हैसियत भ कर्य करेंगे।
5. किसी समिति में 15 से अधिक सदस्य नहीं होंगे।

## उपाध्य

## आवेदन-प्राप्ति

(क) प्रस्तावित परियोजना का नाम क्या है ?

(ख) परियोजना की अवस्थिति :

स्थान का नाम .

जिला : तहमील

अधिकारीसंचारी :

निकटनम विमान पतन रिल स्टेशन :

(ग) जांच किये गए बैकलिपक स्थल तथा प्रस्तावित स्थल का घटन करने के लिए :

(घ) क्या यह स्थल स्थानीय भूमि प्रयोग योजना के अनुसार अनुमदि भूमि प्रयोग के अनुरूप है

2. परियोजना के उद्देश्य

3. (क) अपेक्षित भूमि :

इष्टि भूमि .

बन भूमि तथा बनस्पति का बनाव अन्य (विनिर्दिष्ट करें)

(ख) (1) प्रावाह ऐक्ष/प्रस्तावित स्थल के 10 कि.मी. की परिधि में भूमि प्रयोग

(2) धोत की स्थापाइति, जिसमें डाल पहलू और ऊंचाई उपर्याप्त

## (3) प्रस्तावित भूमि का क्षरण वर्गीकरण

(ग) 10 कि.मी. की परिधि में विद्यमान प्रदूषण स्रोत तथा बायू, जल और भूमि की गुणवत्ता पर उनका प्रभाव :

(घ) निकटनम राष्ट्रीय उद्यान/अभयारण्य/जीवमृल आरक्षिति/स्थारकों एवं निवासिक स्थानों/प्रारक्षित बनों से दूरी :

(ङ) उत्कर्तित/उधार धोतों के लिए पुनरुद्धार योजना :

(च) हण्ठि पट्टी योजना :

(छ) प्रसिद्धि वनोपयन योजना :

1. जवाहार और बायू गुणवत्ता :

(क) स्थल पर बायू :

(ख) अधिकतम/स्थूननम/औसत वार्षिक शापान :

(ग) प्रतिलोम की आवृत्ति :

(घ) अक्रवातों/त्रूपानों/बावल फटने की आवृत्ति :

(ङ) परिवेशी बायू गुणवत्ता आंकड़े :

(च) परियोजना से एस पी एस, गैस (सी और सी और एन और एस, और एन आदि) के उत्तरांगन की प्रदृशि और जमाव :

5 जल संतुलन .

(क) स्थल पर जल संतुलन :

(ख) क्षाण मौसम में जल की उपलब्धता . जल की आवश्यकता :

(ग) प्रतियोगी उपयोगिताओं सहित बोहत जिए जाने वाले स्रोत (नदों, प्रांग, भूमि, सार्वजनिक आपूर्ति)

(घ) जल गुणवत्ता :

(ङ) पिछले 15 वर्षों में नूमि जल की गुणवत्ता और मात्रा में देखे गए परिवर्तन तथा वर्तमान चालिंग और निकासों के ब्योरे :

(च) 1. शोधन ब्योरे सहित छोड़े जाने वाले अपशिष्ट जल की मात्रा :

2. ठोस अपशिष्टों के ब्ययम से पूर्व और पश्चात् प्राप क निकाय में जल की मात्रा और गुणवत्ता :

3. भूमि पर छोड़े जाने वाले अपशिष्ट जल की मात्रा और भूमि की किस्म :

(च) 1. आवश्यक प्रावाह शोधन योजना सहित जलाशय जल गुणवत्ता का ब्योरा

2. कमाड क्षेत्र विकास योजना :

6. ठोस अपशिष्ट :

(क) उत्पाद ठोस अपशिष्टों की किस्म और मात्रा :

(ख) ठोस अपशिष्ट निपटान का तरीका :

7 शोर और कंपन :

(क) शोर और कंपन के स्रोत

(ख) परिवेशी शोर स्तर :

(ग) शोर और कंपन नियंत्रण के प्रस्तावित उदाय :

(घ) अवकाश समस्या यदि कोई हो, और उसके नियंत्रण के उदाय :

8. विज्ञान की आवश्यकता, जिसमें ग्रामीण के शोर का उल्लेख हो :

- यदि ऐस्टिक विज्ञानी इकाई लगाने का प्रस्ताव हो तो  
पूरा पर्यावरणीय योरा अतग से भेजे।
9. लगाया जाने वाला एक श्रमिक दण, जिसमें निम्न योरा  
दिया जाएः—  
 — अपरिष्ठ जल/वायु/मृदा जनन रोमां के कारण धोत्र में  
स्थानीय स्वास्थ्य समस्याएं।  
 — विचारान और प्रस्तावित स्वास्थ्य देखभाज प्रणाली।
10. क. विस्थापित होने वाले गांवों और लागां की संख्या  
(ज) पुनर्वास योजना
11. खतरा मूल्यांकन रिपोर्ट तथा विषय प्रबन्ध योजना
12. क. पर्यावरणीय प्रभाव —पर्यावरण और वन भवानीय द्वारा  
मूल्यांकन रिपोर्ट  
ख. पर्यावरणीय प्रबन्ध योजना —सूमद-समय पर जारी दिशा-निर्देशों के  
अनुसार तैयार
- (ग) विस्तृत व्यावहारिकता रिपोर्ट  
(घ) विधिवत भरी हुई प्रश्नावली
13. पर्यावरणीय प्रबन्ध कक्ष का ध्योरा

मैं यह बचत देता हूँ कि अपर दिए गए आकड़े और गुणना मेरी  
स्थैतिक जानकारी और विषयम के अनुसार सही हैं और मुझे  
इस बात की जानकारी है कि यह प्रलुब्ध किए गए प्रांकड़ी/पूसना का  
कोई भाग किसी भी रामय मिथ्या या भासक पाया जाता है तो  
परियोजना को नामंजूर कर दिया जायगा और परियोजना को ही गई  
ध्यानापत्ति, यदि कोई ही, को हमारी जीवित और लागत पर वापस  
लिया जा सकेगा।

आवेदक के हस्ताक्षर

तारीखः

(नाम और पूरे पते सहित)

स्थान :

आवेदक जिस संगठन की ओर से हस्ताक्षर  
कर रहा है उम संगठन की भावहर

टिप्पणी : सामून हैने वाली मर्दों को काट दें।

## MINISTRY OF ENVIRONMENT AND FORESTS NOTIFICATION

New Delhi, the 28th January, 1993

S.O. 80(E).—The following draft of a Notification which the Central Government proposes to issue in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with clause (v) of sub-section (2) of Section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986 (29 of 1986) is hereby published, as required under sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, for the information of the public likely to be affected thereby;

And notice is hereby given that the said draft notification will be taken into consideration on or after the expiry of 60 days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any person interested in filing any objection against the proposed directions contained in this notification, may do so in writing to the Secretary, Ministry of Environment and Forests, Paryavaran Bhavan, C.G.O. Complex, Lodi Road, New Delhi within 60 days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

## DRAFT NOTIFICATION

Whereas considerable adverse environment impact has been caused due to degradation of the environment with excessive soil erosion and water and air pollution on account of certain development activities, thereby engendering not only the destruction of natural resources like forests, mangroves, wetlands, rivers, lakes, genepool reserves and vegetation cover which is fast dwindling in large parts of the country, but also affecting the health and very survival of living beings both animal and human;

And whereas it is necessary to protect and improve the quality of environment by controlling pollution of air, water and soil along with biotic pressure on natural resources, which is so intense that our natural biological and genetic wealth is threatened with severe damage;

And whereas certain development projects should be carried on within the carrying capacity of the eco-system through judicious location beyond defined distances from eco-systems which will otherwise come under stress, so as to ensure that developmental activity takes place in harmony with the environment and improvement thereof;

And whereas the aforesaid goals can be achieved only by careful assessment of a project proposed to be located in any area. On the basis of an Environmental Impact Assessment of each project and the necessary Environment Management Plan for the prevention elimination or mitigation of the adverse impacts right from the inception stage of the projects;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clause (v) of sub-section (2) of section 3 of the Environment (Protection) Act 1986 (29 of 1986), the Central Government hereby directs that on and from the date of the final publication of this notification under clause (d) of Sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the expansion or modernisation of any existing industry or new projects listed in Schedule I or Schedule II shall not be undertaken in any part of India unless it has been accorded environmental clearance by the Central Government or, as the case may be, the State Government concerned in accordance with the procedure hereinafter specified in this notification.

2. Any project listed in Schedule II and proposed to be located within 5 (five) kilometres of the boundary of reserve or protected forests, or a designated ecologically sensitive area, or within the safe distance stipulated in the Statement. On Industrial Policy or other policy statements of the Government of India for protection of human settlements or wildlife habitats would also be considered by the State Government according to the guidelines issued by the Central Government.

3. Notwithstanding anything contained in Schedule I, II, the Central Government in the Ministry of Environment and Forests may review the environmental clearance given to any project by any State Government if a prima facie case against environmental clearance is made out by the affected parties. In all such cases, the matter would be referred by the Ministry of Environment and Forests to a Review Committee comprising of one representative from this Ministry, one representative from the State Government concerned and a maximum of three experts in the fields relevant to the project. The Chairman and the Members of the Review Committee shall be appointed by the Ministry of Environment and Forests. The Committee shall complete its work within the time-schedule as stipulated for the Impact Assessment Agency (IAA).

4. Requirements and procedure for seeking environment clearance of projects :

I(a) Any person who desires to undertake any project in any part of India or the expansion or modernisation of any existing industry or project listed in Schedule-I and II shall submit an application to the Secretary, Ministry of Environment and Forests, New Delhi, where environmental clearance is required from the Central Government or to Environment Secretary of the State Government concerned, where the environmental clearance is required from the State Government. The application shall be made in the proforma appended to this notification and

shall be accompanied by a detailed project report which shall, inter alia, include an Environmental Impact Assessment Report and an Environment Management Plan prepared in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment & Forests from time to time.

- (b) Cases rejected by the State Government or the Central Government due to submission of insufficient or inadequate data and Action Plans may be reviewed as and when submitted with complete data and Action Plans. Submission of incomplete data for the second time would itself be a sufficient reason for the Impact Assessment Agency to reject the case summarily.

## II. In case of the following site specific projects .

- (a) mining;
- (b) pit-head thermal power stations;
- (c) hydro-electric power projects;
- (d) multi-purpose river valley projects; and
- (e) ports and harbours;

the project authorities will intimate the location of the project site to the Central Government in the Ministry of Environment & Forests or the State Government concerned depending on whether the project is covered under Schedule-I or Schedule-II respectively while initiating any investigation and surveys. The concerned agency at the Centre or the State will convey a decision regarding suitability or otherwise of the proposed site within a maximum period of three months. The said site clearance will be granted for a sanctioned capacity and will be valid for a period of five years for commencing the construction.

- III. (a) The detailed feasibility report submitted with the application shall be evaluated and assessed by the Impact Assessment Agency at the Central Government or, as the case may be, at the State Government in consultation with a Committee of Experts, having a composition as specified in Schedule-III of this notification.

The Impact Assessment Agency (IAA) would be the Union Ministry of Environment and Forests and in the case of State Government concerned the Department of Environment and/or Pollution Control Board. The Committee of experts mentioned above shall be constituted by the IAA concerned.

- (b) The said Committee of Experts shall have full right of entry and inspection of the site or, as the case may be, factory premises at any time prior to, during, or after the commencement of the operations relating to the project.

- (c) The Impact Assessment Agency will prepare a set of recommendations based on technical assessment of documents and data, furnished by the project authorities supplemented by data collected during visits to sites or factories and interaction with affected population and environmental groups. Detailed feasibility reports, Environmental Management Plans, the recommendations and the conditions subject to which environmental clearance is given shall be made available to the concerned parties on request. Comments of the public may be solicited in public hearings arranged for the purpose after giving one month notice of such hearings in at least two newspapers. Public shall be provided access to the project reports and Environmental Management Plans at the agency headquarters. The assessment shall be completed within a period of three months on receipt of the requisite documents and data from the project authorities and decision conveyed within a maximum 20 days thereafter. No work preliminary or otherwise relating to the setting up of the project may be undertaken till the environmental site clearance is obtained.

IV. In order to enable the Impact Assessment Agency concerned to monitor effectively the implementation of the recommendations and conditions subject to which the environmental clearance has been given, the project authorities concerned shall submit a half-yearly report to the concerned agency. Impact Assessment Agency will make compliance reports publicly available.

5. Concealing factual data or submission of false, misleading data/reports, decisions or recommendations would lead to the project being rejected. Approval, if granted earlier on the basis of false data, would also be revoked. Misleading and wrong information will cover the following :

- False information.
- False data.
- Engineered reports.
- Concealing of actual data.
- False recommendations or decisions.

[No. Z-12013/4/89/IA-I]

R. RAJAMANI, Secretary (E&F)

## SCHEDULE-I

(See paras 1 and 4)

### LIST OF PROJECTS REQUIRING ENVIRONMENTAL CLEARANCE FROM THE CENTRAL GOVERNMENT

1. Nuclear Power and related projects such as Heavy water plants, nuclear fuel complex, rare earths etc.
2. Multi-purpose River valley projects.
3. Ports, Harbours and Air ports, (except minor ports and harbours)
4. Railway line (involving acquisition of non-railway land) including underground Railways.
5. Petroleum Refineries including crude and product pipelines and storage of petroleum products.
6. Chemicals Fertilizers (Nitrogenous and Phosphatic) other than single superphosphate.
7. Pesticides (Technical).
8. Petrochemical complexes (both Olefinic and Aromatic), and Petrochemical intermediates such as DMT Caprolactum LAB etc. and Production of basic plastics such as LLDPE, IIPDE, PP, PVC etc.
9. Industrial explosives including detonating fuse, safety fuse, gun powder nitrocellulose, Electric detonators.
10. Drugs and Pharmaceuticals (Basic and Bulk)
11. Exploration for oil and gas and their production, transportation and storage.
12. Synthetic rubber.
13. Asbestos and Asbestos products.
14. Hydrocyanic acid and its derivatives.
15. Primary metallurgical industries (such as production of Iron and Steel, Aluminium, Copper, Zinc Lead and Ferro Alloys)
16. Pneumatic tyres and tubes of rubber used in buses and trucks, air crafts, jeeps, motor cars, tractors and of the road vehicles.
17. Chlor alkali industry.
18. Integrated paint complex including manufacture of resins and basic raw materials required in the manufacture of paints.

19. Man made fibres/filament yarn.
20. Storage batteries integrated with manufacture of oxides of lead and lead antimony alloy.
21. Incineration plant for hazardous waste and chlorinated hydrocarbon.
22. All Tourism projects between 200 m-500 meters of High Water Line and at locations with an elevation of more than 1000 meters.
23. Commercial forestry and forest based industries at locations above 1000 meters.
24. All projects with threshold criteria above those specified in Schedule-II.

## SCHEDULE-II

(See paras, 2, 3 and 4)

## LIST OF PROJECTS REQUIRING ENVIRONMENTAL CLEARANCE FROM THE STATE GOVERNMENT

Sl. No.	Name of the Project/Industry	Threshold Criteria (If any) above which it shall be appraised by Central Government	(Capacity/Area/ Length etc.)
		1	2
1.	Briquetting	All sizes	
2.	Coal washeries	-do-	
3.	Ceramic products	-do-	
4.	Calcium Carbide	-do-	
5.	Carbon black	-do-	
6.	Coal tar chemicals	-do-	
7.	Electroplating and Galvanising	-do-	
8.	Glass and Glasswares	-do-	
9.	Graphite Electrodes	-do-	
10.	Engineering (Tubings, casting, Rolling Mills)	-do-	
11.	Refractories	-do-	
12.	Pipes (RCC, Steel and Seamless)	-do-	
13.	Reprocessing of Lubricating Oils	-do-	
14.	Storage batteries (nonlead processing).	-do-	
15.	Alkalies (Soda ash and Calcium Carbonate)	-do-	
16.	Pneumatic tyres and tubes of rubber used in Motorcycles, scooters, Mopeds, cycles and cycle Rickshaws.	-do-	
17.	Retreading of all types of tyres (excluding cold processing)	-do-	
18.	Paints, Pigments and Varnishes	-do-	
19.	Food processing (Processing of meat and Marine animals.)	-do-	
20.	Milk products (Skimmed milk, condensed milk, milk powder and Baby food).	-do-	

1	2	3
21.	Rubber chemicals and auxiliaries	All sizes
22.	Photographic Chemicals and auxiliaries	-do-
23.	Leather chemicals and auxiliaries.	-do-
24.	Textile chemicals and auxiliaries	-do-
25.	Soaps and detergents (Except cottage soap industries)	-do-
26.	Single superphosphate	-do-
27.	Wood based industry such as saw mills, plywood etc.	-do-
28.	Transport equipments (Cars, Scooters, Motor cycles, Trucks, and other heavy duty vehicles)	-do-
29.	Incineration plant for non-hazardous waste.	-do-
30.	Hydro-electric power	
	(a) New projects	upto 15 MW
	(b) All power houses to be located an existing canal falls or existing dams with already embedded penstocks.	upto 15 MW
31.	Fully Gas Based power plants	upto 100 MW
32.	Coke Ovens/ Carbonising plant	50000 TPA
33.	Thermal power plants	upto 35 MW
34.	Cement	upto 200 TPD
35.	Electric Arc furnaces (mini steel plant)	upto 150000TPZ
36.	Sponge Iron	
	(a) Coal based	upto 30000 TPA
	(b) Gas based	upto 500000TPA
37.	Raw skins and Hides	upto 5000 skins per day
38.	Distilleries	upto 150 KL/Day
39.	Sugar	upto 2500 TP
40.	Textiles	upto 500 metres per day
41.	Pulp, paper and Newsprint	upto 33000 TPA
42.	Dyes	upto 5 TPD
43.	Dye Intermediates	upto 5 TPD
44.	Thermoset resins	upto 5000 TPA
45.	Acids	upto 500 TPD
46.	Animals or vegetables fats oils and their fractions partly or wholly hydrogenated.	upto 25 TPD
47.	Factories (Individual)	upto Rs. 2 crores of outlay
48.	Tourism projects between 500m. and 1000m. of high water line and not specified in Schedule-I.	upto Rs. 1 crore of outlay.
49.	Canal irrigation and reservoir creation.	Upto 2000 ha.
50.	Mining	Upto 5 ha.

51. Tarred roads (in Himalayas and and forest land).	upto 5 kms length
52. National Highways	upto 5 kms length
53. State Highways	
(a) Involving forest land	upto 5 kms length
(b) Not involving forest land	All lengths.
54. Industrial estates	upto 100 units or 20 ha, area which- ever is more
55. Industrial Townships	upto 5000 dwelling units or a total area of 50 ha. whichever is more.
56. Ports and Harbours	Minor Ports and Harbours only.

**NOTE :**

1. No separate environmental clearance is required for individual units located in Industrial Estates provided the Industrial Estates are set up after EIA and individual units are being set up as per approved Environment Management plan.
2. No separate Environmental clearance is required for Industrial Townships provided it is as per the carrying capacity study of the area.
3. Captive power plants should be dealt either as schedule-I or II depending on the development activity.

**SCHEDULE - III**

(See sub-para III (a) of Para 4)

**COMPOSITION OF THE EXPERT COMMITTEES  
FOR ENVIRONMENTAL IMPACT ASSESSMENT**

1. The evaluation and assessment of development projects at the Central or State level will be undertaken by Expert Committees consisting of experts in each discipline constituted as under :

- (i) Exo-Systems Management
- (ii) Air/Water Pollution control
- (iii) Water Resource Management
- (iv) Flora/fauna conservation and management
- (v) Land Use Planning
- (vi) Social Science/Rehabilitation
- (vii) Project Appraisal
- (viii) Ecology
- (ix) Environmental Health
- (x) Subject Area Specialists
- (xi) Representatives of NGOs/persons concerned with environmental issues.

2. The Chairman will be an outstanding and experienced ecologist or environmentalist or technical Professional in the relevant development sector.

3. The representative of Impacts Assessment Agency/ Central/State will act as a Member-Secretary.

4. Chairman and Members will serve in their individual capacities except those specifically nominated as representatives.

5. The Membership of a Committee shall not exceed 15.

**ANNEXURE**

(See Sub-para I(a) of Para 4)

**APPLICATION FORM**

1.(a) Name and Address of the project proposed:

(b) Location of the projects:

Name of the place:  
District, Tehsil  
Latitude/Longitude  
Nearest Airport/Railway Station.

(c) Alternate sites examined and the reasons  
for selecting the proposed site:(d) Does the site conform to stipulated land  
use as per local land use plan

2. Objectives of the project :

3. (a) Land Requirement:

Agriculture Land  
Forest land and Density of vegetation  
Other (specify) :

(b) (i) Land use in the Catchment/within 10Kms  
radius of the proposed site:(ii) Topography of the area indicating  
gradient aspects and altitude :

(iii) Productivity classification of the proposed land:

(c) Pollution sources existing in the 10km. radius  
and their impact on quality of air, water & land.(d) Distance of the nearest National Park/Sanctuary/  
Biosphere Reserve/Monuments/heritage site/  
Reserve Forest:

(e) Rehabilitation plan for quarries/borrow areas

(f) Green belt plan

(g) Compensatory afforestation plan:

4. Climate and Air Quality .

(a) Windrose at site.

(b) Max, Min /Mean annual temperature

(c) Frequency of inversion.

(d) Frequency of cyclones/tornadoes/cloud bursts

(e) Ambient air quality data .

(f) Nature & concentration of emission of SPM,  
Gas (CO, CO<sub>2</sub>, SO<sub>2</sub>, NO<sub>x</sub>, CH<sub>4</sub> etc.) from  
the project.

&gt; Water balance

(a) Water balance at site.

(b) Lean season water availability  
Water Requirement:(c) Source to be tapped with competing users  
(River, lake, Ground, Public supply)'

- (d) Water quality:
- (e) Changes observed in quality & quantity of ground water in the last 15 days years and present charging & extraction details:
- (f) (i) Quantum of waste water to be released with treatment details:  
(ii) Quantum of quality of water in the receiving body before and after disposal of solid wastes:  
(iii) Quantum of waste water to be released on land and type of land:
- (g) (i) Details of reservoir water quality with necessary catchment Treatment Plan:  
(ii) Command area Development Plan :
6. Solid wastes:  
(a) Nature & quantity of solid wastes generated:  
(b) Solid waste disposal method:
7. Noise and Vibrations:  
(a) Sources of noise & Vibrations:  
(b) Ambient noise level:  
(c) Noise & Vibration control measures proposed:  
(d) Subsidence problem if any with control measures.
8. Power requirement indicating source of supply:  
Complete environmental details to be furnished separately, if captive power unit proposed:
9. Peak labour force to be deployed giving details of: Endemic health problems in the area due to waste water/air /soil borne diseases:  
Health care system existing and proposed
- 10.(a) Number of villages & population to be displaced.  
(b) Rehabilitation Master Plan.
11. Risk assessment report and Disaster Management Plan.
- 12.(a) Environmental Impact Assessment Report . } Prepared as per  
(b) Environmental Management Plan. } guidelines of  
(c) Detailed Feasibility Report: MLF issued from  
(d) Duty filled in questionnaire time to time'.
13. Details of Environmental Management Cell.
- I hereby give an undertaking that the data and information given above are true to the best of my knowledge and belief and I am aware that if any part of the data/information submitted is found to be false or misleading at any stage, the project be rejected and the clearance given, if any, to the project is likely to be revoked at our risk and cost.
- Signature of the applicant  
with name and full address.
- Date: \_\_\_\_\_
- Place: \_\_\_\_\_ Given under the seal of Organisation on behalf of whom the applicant is signing.
- N.B.D etc which is not applicable